जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जयपुरम्

वेदवेदाङ्गसङ्कायः

डिप्लोमा पाठ्यक्रमः

सत्रम्- 2023-24

ज्योतिषविभागः

जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयः

जयपुर-राजस्थानम्

ज्योतिष-वास्तु पाठ्यक्रम

❖ प्रवेशपात्रता

1. 10+2 उत्तीर्ण छात्र सर्टिफिकेट कोर्स में प्रविष्ट होंगे।
2. सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण छात्र सम्बन्धित डिप्लोमा कोर्स में प्रविष्ट होंगे।
3. डिप्लोमा कोर्स उत्तीर्ण छात्र एडवांस डिप्लोमा कोर्स में प्रविष्ट होंगे।
4. इनमें एक कोर्स के पश्चात द्वितीय कोर्स करने के मध्य अन्तराल की समय सीमा नहीं रहेगी।
5. किसी भी कोर्स में आयु सीमा की बाध्यता नहीं रहेगी।
6. उक्त पाठ्यक्रम स्ववित्तपोषित है। अतः शुल्क में किसी भी प्रकार की छूट देय नहीं रहेगी तथा न ही छात्रवृत्ति की व्यवस्था होगी।
7. उक्त पाठ्यक्रम के कोर्स को छात्रावास सुविधा, मताधिकार एवं छात्रसंघ पदाधिकारी हेतु उम्मीदवारी का भी लाभ नहीं रहेगा।
8. उक्त समस्त पाठ्यक्रम ऑफलाइन मोड़ पर रहेंगे, किन्तु यथा समय ऑनलाइन कक्षाएँ, व्याख्यान व प्रायोगिक कार्य कराये जायेंगे, जिनमें छात्रों की सहभागिता अनिवार्य रहेगी।
9. उक्त पाठ्यक्रम में प्रविष्ट छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा सम्बन्धी संस्था के अध्यापकों के द्वारा ही प्रोजेक्ट वर्क, शैक्षणिक भ्रमण, प्रायोगिक इत्यादि के आधार पर लिया जायेगा तथा उसे विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा को भेजा जायेगा।
10. उक्त पाठ्यक्रमों के सम्बन्धित छात्रों की प्रायोगिक जानकारी, शास्त्रीय दक्षता व अद्यतन ज्ञान के आलोक में वर्ष में एक बार शैक्षणिक भ्रमण तथा न्यूनतम 02 प्रायोगिक कार्य (विजिट) कराने हेतु संस्था से अन्यत्र शिक्षकों सहित छात्र जाएंगे। साथ ही इस सन्दर्भ में छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट वर्क या विजिट वर्क भी किया जायेगा, जिसे विश्वविद्यालय के ज्योतिष-विभागीय आचार्य/प्राशासनिक अधिकारी यथा समय देख भी सकेंगे।
11. पाठ्यक्रमों की फीस निम्नानुसार रहेंगी-

(१) आवेदन पत्र	200/-
(२) सर्टिफिकेट कोर्स	4000/-
(३) डिप्लोमा कोर्स	5000/-

(४) एडवांस डिप्लोमा कोर्स 10,000/-

(५) परीक्षा फीस 1000/- (फॉर्म सहित)

(६) योग्यता, नामांकन इत्यादि निम्नानुसार है।

12. एक संस्था से सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण छात्र अन्य संस्था में डिप्लोमा व पुनः अन्य संस्था एडवांस डिप्लोमा कोर्स भी कर सकेंगे।

13. एक पाठ्यक्रम चलाने के लिए न्यूनतम छात्र संख्या- 25

14. सप्ताह में न्यूनतम 02 कक्षाएँ रहेंगी, जिनकी ऑनलाइन कक्षा भी सुविधानुसार की जा सकेंगी।

15. प्रत्येक पाठ्यक्रम में वर्ष में न्यूनतम 90 कार्य दिवस रहेंगे।

16. शिक्षक का मानदेय- प्रति कार्य दिवस 500/-

17. प्रश्नपत्र योजना

(१) सर्टिफिकेट कोर्स - 3 प्रश्न पत्र-100-100 अंकों के- तीसरे प्रश्न पत्र में 60+40

(२) डिप्लोमा कोर्स - 3 प्रश्न पत्र-100-100 अंको के- तीसरे प्रश्न पत्र में 60+40

(३) एडवांस डिप्लोमा कोर्स - 4 प्रश्न पत्र-100-100 अंको के- चौथे प्रश्न पत्र में 60+40

18. न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 रहेंगे।

19. छात्रों को पुनर्मूल्यांकन की सुविधा 50% प्रश्न पत्रों तक रहेंगी।

20. प्रश्न पत्र निर्माण हिन्दी भाषा में रहेगा तथा प्रश्नोत्तर हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत तीनों भाषाओं में रहेगा।

ज्योतिष-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम-2023-24

1. प्रथमपत्र **100 अङ्क**

(१)	पञ्चाङ्ग-ज्ञान (वर्ष, संवत्सर, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण इत्यादि का सामान्य ज्ञान)	**30 अङ्क**
(२)	जन्माक्षरनिर्माणविधि (इष्टकालसाधन, भयात्, भभोग, लग्नकुण्डली, ग्रहस्पष्ट, भावस्पष्ट, ग्रहों के उच्च-नीच, मूलत्रिकोणविचार)	**50 अङ्क**
(३)	संस्कृत भाषा ज्ञान (प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, 1-30 अध्याय	**20 अङ्क**

2.द्वितीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	दशासाधनविधि (विंशोत्तरी, अष्टोत्तरीदशा)	**20 अङ्क**
(२)	षड् वर्ग साधन	**30 अङ्क**
(३)	ग्रहमैत्री (पञ्चधामैत्री)	**20 अङ्क**
(४)	ग्रहस्वरूप, राशिस्वरूप एवं द्वादशभावपरिचय	**30 अङ्क**

3.तृतीयपत्र (सैद्धान्तिक-40 अंक तथा प्रायोगिक-60अंक)

(१)	भावफलविचार (विद्या, व्यवसाय, विवाह, सन्तति एवं स्वास्थ्य	**20 अङ्क**
(२)	सामान्य मुहूर्त विचार (गृहारम्भ, गृहप्रवेश, यात्रा, विवाह, उपनयन, क्रय-विक्रय एवं व्यापारम्भ, मुहूर्त	**20 अङ्क**

❖ **प्रायोगिक (60 अंक)**

जन्माक्षर निर्माण, फलादेश का ज्ञान एवं मुहूर्तों का सामान्य ज्ञान।

ज्योतिष-उपाख्य पाठ्यक्रम-2023-24

1. प्रथमपत्र **100 अङ्क**

(१)	तिथि-वार-नक्षत्रजनित योगज्ञान (सर्वार्थसिद्धि, अमृतसिद्धि, दग्धादितिथि) तिथिसंज्ञादि ज्ञान (नन्दा-भद्रादि)	**40 अङ्क**
(२)	नक्षत्रों की ध्रुवादि संज्ञाएँ एवं कृत्य विचार, नक्षत्र स्वामी	**20 अङ्क**
(३)	संस्कृत भाषा ज्ञान (प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, 31-60 अध्याय	**40 अङ्क**

2. द्वितीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	व्रतोत्सवों का सामान्य ज्ञान (रामनवमी, दीपावली, गणेश चतुर्थी, नवरात्रा स्थापना, होलिका दहन, होलाष्टक, अक्षयतृतीया, महाशिवरात्रि, जन्माष्टमी, गंगादशमी	**40 अङ्क**
(२)	प्रश्नकुण्डली, वर्षकुण्डली, चलितकुण्डली, कारकांशकुण्डली, कारक-मारकविचार, एफेमेरिज पञ्चाङ्ग से देश विदेश की कुण्डलियों का निर्माण एवं फलादेश	**60 अङ्क**

3. तृतीयपत्र (सैद्धान्तिक-40 अङ्क तथा प्रायोगिक-60 अङ्क)

(१)	मेलापक में अष्टकूट विचार एवं मांगलिक विचार	**20 अङ्क**
(२)	दिक्शूल व परिहार, योगिनिवास विचार, अग्निवास, शिववासज्ञान,पञ्चक एवं गण्डमूलविचार	**20 अङ्क**

❖ **प्रायोगिक (60 अंक)**

वर्ष एवं प्रश्नकुण्डली से फलादेश, मेलापकविचार एवं षड् वर्ग द्वारा फलादेश ज्ञान।

वास्तु-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम-2023-24

1.प्रथमपत्र **100 अङ्क**

(१)	दिक् ज्ञान, वास्तु पुरुष, भूमिपरीक्षण की विधियाँ	**30 अङ्क**
(२)	भूमिशोधन की विधियाँ, भूखण्ड की आकृतियाँ एवं फल, काकिणी	**50 अङ्क**
(३)	संस्कृत भाषा ज्ञान (प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, 1-30 अध्याय	**20 अङ्क**

2. द्वितीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	वास्तुशास्त्र का महत्व, उपयोगिता, विभिन्न पदवास्तुचक्र ज्ञान	**30 अङ्क**
(२)	गृहनिर्माण-गृहप्रवेशमुहूर्त	**20 अङ्क**
(३)	भूमिप्लव एवं उसका फल	**30 अङ्क**
(४)	वास्तुदोष निराकरण के उपाय	**20 अङ्क**

3. तृतीयपत्र (सैद्धान्तिक-40 अङ्क तथा प्रायोगिक-60 अङ्क) **100 अङ्क**

(१)	गृहनिर्माण के सिद्धान्त (तलघर, द्वारनिर्णय, नलकूप, वाटरटेंक, बगीचा, स्नानघर, रसोई, स्टोर, शौचालय, बैठक, पूजास्थल, बरामदा, सैप्टिटैंक, सीढियाँ, शयनकक्ष)	**20 अङ्क**
(२)	व्यावसायिक वास्तु (दुकान, शोरूम, ऑफिस, होटल, औद्योगिक संस्थान	**20 अङ्क**

❖ **प्रायोगिक (60 अङ्क)**

(१)	दश घरों का निरीक्षण एवं आवश्यक परामर्श (पञ्जिका संधारण)	**30 अङ्क**
(२)	गृहनिर्माण एवं व्यावसायिक वास्तुसिद्धान्तों का सामान्य ज्ञान	**30 अङ्क**

वास्तु-उपाख्य पाठ्यक्रम-2023-24

1.प्रथमपत्र **100 अङ्क**

(१)	भूमिविचार (शल्यज्ञान, शल्योद्धार, निधिज्ञान, पिण्ड-आय ज्ञान	**50 अङ्क**
(२)	षोडशविध गृहों का सामान्य परिचय	**30 अङ्क**
(३)	संस्कृत भाषा ज्ञान (प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, 31-60 अध्याय	**20 अङ्क**

2. द्वितीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	कक्ष की आन्तरिक सज्जा, विविध कक्षों की स्थिति, द्वार, स्तम्भ, सीढी निर्णय, गृहनिर्माण के उपकरण	**40 अङ्क**
(२)	मुहूर्त्त विचार (विपणि-प्रतिष्ठान-वास्तुशान्ति-वाणिज्य-कूपनिर्माण-तड़ाग निर्माण	**30 अङ्क**
(३)	जल-प्रबन्धन एवं वास्तु (कूप, तालाब, वाटरटैंक	**30 अङ्क**

3. तृतीयपत्र (सैद्धान्तिक-40 अङ्क तथा प्रायोगिक-60 अङ्क) **100 अङ्क**

(१)	नगरनियोजन के सामान्य सिद्धान्त (दुर्गरचना, पुरनिवेश, ग्राम, कॉलोनी)	**20 अङ्क**
(२)	शुभाशुभवृक्ष, जलशिरा, वृक्षरोग एवं उनकी चिकित्सा, वृक्ष-वनस्पतिसज्जा	**20 अङ्क**

❖ **प्रायोगिक (60 अङ्क)**

(१)	दश घरों एवं दश औद्योगिक/व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं परामर्श (पञ्जिका संधारण)	**30 अङ्क**
(२)	वास्तु की आन्तरिक सज्जा के सिद्धान्तों का ज्ञान	**30 अङ्क**

वास्तु-ज्योतिष विशिष्ट उपाख्य पाठ्यक्रम-2023-24

1.प्रथमपत्र **100 अङ्क**

(१)	सामुद्रिक ज्ञान (हस्त के प्रकार, हस्त रेखाएँ, शुभाशुभचिह्न, आयुविचार	**40 अङ्क**
(२)	बृहत्संहिता शकुनाध्याय	**40 अङ्क**
(३)	संस्कृत भाषा ज्ञान (प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी कारक एवं सन्धिप्रकरण	**20 अङ्क**

2. द्वितीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	ताजिक नीलकण्ठी (प्रश्नतन्त्र)	**50 अङ्क**
(२)	फलदीपिका (1 से 5 अध्याय)	**25 अङ्क**
(३)	लघुपाराशरी	**25 अङ्क**

3. तृतीयपत्र **100 अङ्क**

(१)	वाणिज्य वास्तु	**30 अङ्क**
(२)	वास्तुविमर्श	**40 अङ्क**
(३)	वास्तुश्रृंगारदर्पण	**30 अङ्क**

4. चतुर्थपत्र (सैद्धान्तिक-40 अङ्क तथा प्रायोगिक-60 अङ्क) **100 अङ्क**

(१)	वेधयन्त्रों का सामान्य परिचय	**20 अङ्क**
(२)	लघुजातक	**20 अङ्क**

❖ **प्रायोगिक (60 अङ्क)**

(१)	कुण्डली निर्माण विधि एवं फलादेश का ज्ञान	**30 अङ्क**
(२)	वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्त	**30 अङ्क**